



DR. H. M. DESAI

Dr. H.M. Desai is founding Vice Chancellor of Dharmsinh Desai University, Nadiad, he is Trustee and Secretary of the Dharmsinh Desai Foundation. He is pioneer innovator, developer & mentor of educational institutes, social organizations, hospitals & hospitality facilities & Research & Development Centres in the domain of science and technology.

2. Born on 8th November, 1939, named "Harshad', the joy giver, Dr. Desai has been joy giver for more than five decades, to students, teachers, researchers as well as the needy and destitute and to the poor and orphans of this part of the world. He has created Institutional facilities not only for local needs but for national as well as global aspirations, through education and research. He has positively contributed to ISRO, PRL, DST, Indian Moon Mission, Chandrayan and India's Mars Mission, Indian Planetary Explorations; his contribution is recognized by National Science Foundation (NSF) of American government.

3. Dr. Desai completed his B.Sc., M.Sc., & Ph.D. degree in Chemistry. He started his career as a lecturer, who became Principal of Dharmsinh Desai Institute of Technology, then a director of the first Autonomous Institute in the State of Gujarat, which he developed into a first Deemed to be University & its Vice Chancellor, he very intensely through quality education developed the State University from the deemed to be university. He is Fellow of Royal Society of Chemistry (London), he is Fellow of American Institute of Chemistry Engineers, (New York). He is Fellow of Institute of Chemist (India). He is Fellow Institute of Engineers India. Under his leadership a small institute of diploma engineering very successfully grown up as an autonomous institute to a deemed to be University & then a State University know as an Institute of National Importance.

4. Dr. Desai is not only an Educationist, Technocrat, Academic Visionary but he is a philanthropist at the core of his heart. At the university campus he has faculty of Dental Science & Faculty of Medical Science which has two hospitals attached to it, all services to the patients at these hospitals are almost at free of charges. During last 15 years time he has helped more than a million patients by providing the free of cost Dental and Medical treatments, which is includes free of cost Registration, Consultancy, Treatment, Medicines and even Surgery & Operations including four meals everything is charity & philanthropy. He has been President of Association of Indian Universities (AIU) and Executive Member of Board of Cricket Control of Indian (BCCI),

5. Dr. Desai has received many awards and honours like Charoter Ratna Awards, Chatotar Gaurav Award, Om Foundation Award, Maha Gujarat Parivar Award, Rotary International Award, Best Citizen of the Town Award and Lions Club International President Award (3times) etc.





डॉ. एच. एम. देसाई

डॉ. एच. एम. देसाई, धर्मसिंह देसाई विश्वविद्यालय, नाडियाड के संस्थापक कुलपति और धर्मसिंह देसाई फाउंडेशन के ट्रस्टी और सचिव हैं। वह शैक्षिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, अस्पतालों और आतिथ्य सुविधाओं और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के अनुसंधान और विकास केन्द्रों के अग्रणी नवान्वेषक, विकासकर्ता और परामर्शक रहे हैं।

2. 8 नवंबर, 1939 को जन्मे डॉ. देसाई, ''हर्षद'' अर्थात् आनंद प्रदाता के नाम को चरितार्थ करते हुए पांच दशकों से भी अधिक समय तक छात्रों, शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं के साथ–साथ देश के विभिन्न भागों में जरूरतमंद, बेसहारा, गरीब तथा अनाथ लोगों के जीवन में खुशियां बिखेरने के कार्यों में जुटे रहे हैं। उन्होंने केवल स्थानीय जरूरतों के लिए ही नहीं अपितु राष्ट्रीय और वैश्विक आकांक्षाओं को शिक्षा और शोध के माध्यम से पूरा करने के लिए शैक्षिक सुविधाओं की स्थापना की। इन्होंने इसरो, पीआरएल, डीएसटी, भारतीय चन्द्रु मिशन, चन्द्रयान और भारत के मंगल मिशन, भारतीय उपग्रह गवेषण के क्षेत्र में सुनिश्चित योगदान दिया है और इनके इस महत्वपूर्ण योगदान को अमेरिका सरकार के नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) द्वारा भी स्वीकार किया गया है।

3. डॉ. देसाई ने रसायन विज्ञान में अपनी बी.एससी, एम. एससी और पीएच.डी की डिग्री हासिल की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत लेक्चरर के रूप में की और बाद में वे धर्मसिंह देसाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य बने। इसके पश्चात उन्होंने गुजरात राज्य में प्रथम स्वायत्त संस्थान के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं और उसे एक प्रथम डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया और उसके वाइस चांसलर भी बने। उन्होंने अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बहुत तीव्र गति से डीम्ड विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय के रूप में विकसित कर लिया। वह रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री (लंदन), अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिस्ट्री इंजीनियर्स (न्यूयॉर्क), इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिस्ट (भारत), इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के फेलो हैं। उनके नेतृत्व में डिप्लोमा इंजीनियरी के एक छोटे से संस्थान ने अत्यंत सफलतापूर्वक डीम्ड विश्वविद्यालय के स्वायत्त संस्थान और तत्पश्चात् राज्य विश्वविद्यालय के रूप में स्थान प्राप्त कर लिया जिसे आज एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में जाना जाता है।

4. डॉ. देसाई केवल एक शिक्षाविद्, तकनीकीविद, शैक्षणिक दूरदृष्टा ही नहीं अपितु एक सहृदय परोपकारी व्यक्ति भी हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में फैकल्टी ऑफ डेंटल साइंस एंड फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस की स्थापना की है और उनके साथ दो अस्पतालों को भी संबद्ध किया गया है। इन अस्पतालों में मरीजों के लिए सभी सुविधाएं लगभग निःशुल्क तौर पर सुलभ हैं। विगत 15 वर्षों के दौरान, उन्होंने दस लाख से ज्यादा मरीजों को निःशुल्क डेंटल और मेडिकल उपचार मुहैया कराकर उनकी मदद की है। इन सुविधाओं में भोजन सहित निःशुल्क पंजीकरण, परामर्श, उपचार, दवाएं और यहां तक कि सर्जरी और ऑपरेशन भी शामिल हैं और ये सब कार्य धर्मार्थ और परोपकार के तौर पर किए जाते हैं। वह एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के अध्यक्ष और बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल ऑफ इंडिया (बीसीसीआई) के कार्यकारी सदस्य भी हैं।

5. डॉ. देसाई को चेरोटर रत्न अवार्ड, चेरोटर गौरव अवार्ड, ओम फाउंडेशन अवार्ड, महा गुजरात परिवार अवार्ड, रोटरी इंटरशेनल अवार्ड, बेस्ट सिटीजन ऑफ द टाउन अवार्ड और लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रेजीडेंट अवार्ड (तीन बार) इत्यादि जैसे अनेक पुरस्कार और सम्मान से अलंकृत किया गया है।